ता. 16.5.20 | DI(A) Third Paper

डा. शिवानन्द झा
दर्शनशास्त्र
आर. एन. कॉलेज
फारबिसगंज

आध्यात्मवाद और भौतिकवाद में अन्तर

आध्यात्मवाद और भौतिकवाद दोनों एक दूसरे के विरुद्ध हैं। इस प्रकार इन दोनों के अन्तर को संक्षेप में स्पष्ट किया जा सकता है -

आध्यात्मवाद	भौतिकवाद
1. विश्व का मूल आधार मनस है।	1. विश्व भौतिक तत्व या भौतिक शक्ति में अवस्थित है।
2. सृष्टि का मूल तत्व अनुभव, विचार, विवेक, बुद्धि, व्यक्तित्व, मूल्य तथा धार्मिक और नैतिक आदर्श है।	2. गति और शक्ति ये दो ही सृष्टि के मूलतत्व हैं।
3. मनस जड़ तत्व या भौतिक पहलू का पूर्वगामी है।	3. जड़ तत्व मनस तत्व या मानसिक पहलू का पूर्वगामी है।
4. केवल मनस तत्व ही सत है।	4. केवल जड़ तत्व ही सत है।
5. प्रमाणशास्त्र की दृष्टि से आध्यात्मवाद प्रत्ययवाद है।	5. प्रमाणशास्त्र की दृष्टि से भौतिकवाद यथार्थवाद या वस्तु स्वातन्त्र्यवाद है।
6. प्रकृति और मानव में सामंजस्य है।	6. जगत में मनुष्य का कोई महत्व नहीं है।
7. विश्व और मानव जीवन की व्याख्या में मानसिक पहलू पर विशेष बल दिया जाता है।	7. विश्व और मानव जीवन की व्याख्या में भौतिक पहलू पर अधिक बल दिया जाता है।

Scanned with CamScanner